Tel: 0294-2470837 (O), 2471056 (Fax):, email:
ctaedean@gmail.com
COLLEGE OF TECHNOLOGY AND ENGINEERING
Maharana Pratap University of Agriculture and Technology
UDAIPUR – 313001 (India)

Dr. S. S. Rathore
Professor & Dean

दिनांक: 14.10.2017

प्रेस–विज्ञप्ति

खेती से आमदनी दोगुना करने हेतु कृषि अभियंताओं का आव्हान : गुलाबचन्द कटारिया,

सी.टी.ए.ई में पूर्व छात्रों का 15 वां समागम एवं अभिनन्दन समारोह

उदयपुर 14 अक्टूबर, 2017। सी. टी. ए. ई. के 15 वें पूर्व छात्र समागम एवं अभिनन्दन समारोह में महाविद्यालय के पूर्व छात्रों कृषि अभियान्त्रिकी में स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले श्री मुकुन्द सिंह बाबेल (1981 बेच) एवं इन्जीनियर मदन छाजेड़ (1977 बेच) को अपने–अपने क्षेत्रो में उल्लेखनीय योगदान के लिये विशिष्ठ सेवा पदको से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कृषि अभियान्त्रिकी के डॉ विपिन लड्ढा (1986 बेच) तथा इन्जीनियर नवीन वशिष्ठ (1992 बेच) को वरिष्ठ प्रोफेशनल अभियन्ता तथा कृषि अभियान्त्रिकी के इन्जीनियर राहुल गुप्ता (1982 बेच) तथा डॉ. मनजीत सिंह (2002 बेच) को प्रोफेशनल अभियन्ता को सम्मान से नवाजा गया ।

पूर्व छात्रों ने अपने छात्र जीवन के महाविद्यालय के संस्मरणो को याद करते हुए कहा कि यहाँ शिक्षको के समर्पण एवं ज्ञान के कारण छात्र आज देश – विदेश में ऊँचाईयों की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम में श्री गुलाबचन्द कटारिया, माननीय गृह मंत्री, राजस्थान सरकार, ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए अभियन्ताओं से अपील की कि तकनीकी नवाचार के माध्यम से कृषकों की आमदनी को दोगुना करने के प्रधानमंत्री के स्वप्न को साकार करें और किसानों के जीवन को बेहतर बनाने में सहयोग प्रदान करे । राजस्थान की प्रमुख जल समस्या के निदान में मुख्यमंत्री के जल स्वावलंबन अभियांन की चर्चा करते हुए उन्होने कहां कि पिछले वर्ष 21 हजार गांव के 2 लाख पचास हजार जल स्त्रोतो को संरक्षित करने से पेयजल के टैंकरों का खर्च 75 प्रतिशत कम हो गया।

अभियंताओं का समस्या समाधान में व्यापक योगदान

इस अवसर पर कार्यक्रम में परम संरक्षक – एल्यूमिनी सोसायटी व महाविद्यालय के संस्थापक अधिष्ठाता, डॉ. के एन नाग पूर्व कुलपति राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान मे खेती एवम् ग्रामीण विकास की अपूर्व सम्भावना को देखते हुए भविष्य मे

कृषि अभियंताओ का काफी योगदान रहेगा। उन्होने कहा कि अभियंताओं का प्रदेश एवं राष्ट्र की विभिन्न समस्याओं को सुलझाने में व्यापक योगदान है। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि प्रोफेसर उमाशंकर जी शर्मा, माननीय कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से पूर्व छात्रों तथा संकाय सदस्यों में एक गठबंधन हो जाता है साथ ही सीटीएई की विशिष्ठता बताते हुए उन्होने याद दिलाया कि महाविद्यालय के पूर्व छात्र देश और विदेशों के विभिन्न क्षैत्रों में सर्वोच्च पदों पर आसीन है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. राठौड ने महाविद्यालय की गत वर्षो की उल्लेखनीय प्रगति की जानकारी दी ।

फ्लैश बैक की तरह याद आये कॉलेज के वह दिन

सफेद हो चुके बाल और चेहरे पर अनुभव की झुर्रियों के साथ एक दूसरे को पहचानने में उन्हे समय जरूर लगा परन्तु पहचानते ही कॉलेज के दिन फ्लैश बैक की तरह उनकी जुबान पर आ गये और आँखें नम हो गयी । अरे यार तू तो बिलकुल नही बदला। तेरी शरारते तो अभी वैसी ही है। अरे यार तू तो गंजा हो गया। अवसर था प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं सीटीएई एल्यूमिनी सोसायटी द्वारा आयोजित पूर्व छात्र समागम एवं अभिनन्दन का। एल्यूमिनी सोसायटी के अध्यक्ष श्री अरूण सुराणा एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. राठौड ने अतिथियो का स्वागत किया। महाविद्यालय से 25 वर्ष पूर्व 1992 में कृषि अभियांत्रिकी में स्नातक एवं स्नातकोतर की उपाधि ले चुके सिल्वर जुबली बैच एवं 2002 में स्नातक हुए कृषि, विद्युत, यांत्रिकी एवं खनन् अभियांत्रिकी के क्रिस्टल जुबली बैच के पूर्व छात्रों का अभिनन्दन किया गया। महाविद्यालय में अध्ययनरत् तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष कृषि अभियांत्रिकी के टॉपर दो विद्यार्थियों यथा श्री हिमांशु अवस्थी, प्रमोद शर्मा, चन्द्रदीप सिंह राठौड़ तथा दीक्षा कुंवर को पारितोषिक एवं अभिनन्दन पत्र से नवाजा गया। इस समारोह में एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। जिसमें तकनीकी पत्रों के अलावा महाविद्यालय के विभिन्न विभागों का विवरण भी दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक शर्मा ने किया एंव एल्यूमिनी सोसायटी के मानद् सचिव डॉ. आर सी वर्मा ने धन्यवाद की रस्म मे जानकारी दी कि इस कार्यक्रम में लगभग 300 पूर्व छात्रों के सपरिवार सम्मिलित हुए।

(डॉ. एस.एस. राठौड)
अधिष्ठाता एवं संरक्षक